Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-301

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination March – 2021

M.A. Darshan, Semester : Third
दर्शन : प्रश्न-पत्र : द्वितीय
सांख्य-योग - तृतीय

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीघ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. "स्थूलदेह भोक्ता चैतन्य नहीं है।" सांख्यानुसार सिद्ध करें।
2. चित्त के त्रिविध परिणामों का उल्लेख एवं उनकी विस्तृत विवेचना करें।
3. सांख्योक्त लिङ्गशरीर की व्याख्या करते हुए उसकी अनिवार्यता का निरूपण करें।
4. योगदर्शनानुसार "सर्वभूतरुतज्ञानम्" सिद्धि की व्यासभाष्यानुसार व्याख्या करें।
5. सांख्यानुसार ध्यान और ध्यानप्राप्ति के साधनों का वर्णन करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. "बहुशास्त्रगुरुपासनेऽपि सारादंन षट्पदवत्" सूत्र का निहितार्थ स्पष्ट करें।
2. "क्रमान्यत्वं परिणामान्यत्वे हेतु" सूत्र की व्यासभाष्यानुसार स्पष्ट व्याख्या करें।
3. सांख्यदर्शनानुसार अशक्ति के स्वरूप एवं भेदों का वर्णन करें।
4. योगदर्शनवर्णित धारणा, ध्यान व समाधि के स्वरूपों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
5. सांख्यानुसार जीवन्मुक्त कौन हैं? विवरण प्रस्तुत करें।
6. उदान नामक प्राण पर विजय कर लेने पर प्राप्त विभूतियों का वर्णन करें।
7. योग के बहिरङ्ग अंङ्गो का संक्षिप्त विवरण लिखें।

----------X----------